Check for updates

**OPEN ACCESS**

Volume: 4

Issue: 3

Month: September

Year: 2025

ISSN: 2583-7117

Published: 09.09.2025

Citation:

डॉ. संजू शर्मा "विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक - संवेगात्मक अधिगम (एसईएल ) के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन" International Journal of Innovations in Science Engineering and Management, vol. 4, no. 3, 2025, pp. 344–350.

DOI:

10.69968/ijisem.2025v4i3344-350

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-Share Alike 4.0 International License

# विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक - संवेगात्मक अधिगम (एसईएल ) के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. संजू शर्मा[1]

*[1]उप प्राचार्य, सेक्ट कॉलेज ऑफ़ प्रोफेशनल एजुकेशन, भोपाल, मध्य प्रदेश*

**सारांश**

*इस शोध पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) के प्रभावों का विश्लेषण करना है। डेटा संग्रह के उद्देश्य से, 200 विद्यार्थियों को उनकी सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम की क्षमताओं को मापने के लिए एक स्व-निर्मित प्रश्नावली द्वारा नमूना लिया गया था। शैक्षणिक उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए, विद्यार्थियों का आकलन करने के लिए 10वीं कक्षा की परीक्षा और कुल अंकों का उपयोग किया गया। परिणाम इस अध्ययन में, सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (एसईएल) और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच जटिल संबंध को रेखांकित किया गया है। अधिक विशेष रूप से, उच्च एसईएल दक्षताओं ने अंग्रेजी के क्षेत्र में छात्र के प्रदर्शन पर थोड़ा सकारात्मक प्रभाव डाला; अन्यथा अन्य विषयों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। ये परिणाम संकेत देते हैं कि एसईएल अच्छे परिणामों को बढ़ावा देता है, लेकिन यह शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करने वाले कई कारकों में से एक है। एसईएल और किसी भी शैक्षिक परिणाम के बीच संबंध को स्पष्ट करने के लिए भविष्य में जांच की आवश्यकता है जो यह निर्धारित करने के लिए रुचिकर हो सकता है कि छात्र उपलब्धि को बढ़ावा देने में उनके साथ प्रभावी ढंग से कैसे काम किया जा सकता है। इस शोध का परिणाम भावनात्मक और शैक्षणिक विकास पर दोहरे ध्यान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रभावी शैक्षिक प्रथाओं को बढ़ावा देने में शिक्षकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों की बहुत मदद करता है।*

*कीवर्ड: सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल), शैक्षणिक उपलब्धि और छात्र प्रदर्शन।*

## प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) शैक्षिक एजेंडे पर एक महत्वपूर्ण आइटम बन गई है क्योंकि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हुई देखी जा रही है। परिभाषा के अनुसार, एसईएल वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करने और प्राप्त करने, दूसरों के लिए सहानुभूति दिखाने, सहायक संबंध स्थापित करने और बनाए रखने और जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल प्राप्त करते हैं और उन्हें लागू करते हैं।

इसलिए, एसईएल एक प्रमुख रणनीति है जिसका उपयोग शैक्षणिक संस्थान सर्वांगीण व्यक्तियों को तैयार करने के लिए करते हैं; एक अर्थ में, पाठ्यक्रम के भीतर एसईएल को अपनाने से विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और पारस्परिक कौशल पैदा करने में सहायता मिलेगी। शोध से पता चलता है कि एसईएल न केवल विद्यार्थियों की भावनात्मक भलाई के लिए, बल्कि उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है। जो छात्र सामाजिक और भावनात्मक कौशल के साथ स्कूल जाते हैं, वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि ये वही कौशल हैं जो उन्हें बाधाओं को दूर करने, प्रेरित रहने और साथियों और शिक्षकों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने में सहायता करते हैं। भारत जैसे परिवेश में, जहाँ स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत दबाव है और सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है, शिक्षकों और नीति निर्माताओं के लिए एसईएल और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच के अंतरफलक को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है। इस अध्ययन में ब्रिटिश कोलंबिया के भोपाल शहर में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को शामिल किया गया, जिसमें शैक्षणिक प्रदर्शन पर सामाजिक-भावनात्मक सीखने के प्रभाव का पता लगाने का प्रयास किया गया। एसईएल दक्षताओं को मापने वाले एक स्व-निर्मित प्रश्नावली के माध्यम से मूल्यांकन और इसे 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों के साथ सहसंबंधित करने से यह जानकारी मिलेगी कि एसईएल ने शैक्षणिक परिणामों को कैसे प्रभावित किया। इस प्रकार, इस अध्ययन के निष्कर्ष एसईएल पर अन्य सभी निष्कर्षों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं, उन लोगों के लिए संगीत जो शैक्षिक क्षेत्र में रुचि रखते हैं, और भावनात्मक और शैक्षणिक रूप से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर अधिक महत्वपूर्ण जोर देते हैं।

पूर्ववर्ती शोधों में, जैसा कि साहित्य में बताया गया है, एसईएल अकादमिक सफलता और छात्र कल्याण के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने मेटा-विश्लेषणात्मक अध्ययन में, डुरलाक एवं अन्य (2011) ने स्थापित किया कि एसईएल कार्यक्रम विद्यार्थियों के सामाजिक-भावनात्मक कौशल, दृष्टिकोण और अकादमिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार करते हैं। इसी तरह से, पैटन एवं अन्य (2008) ने एसईएल दक्षताओं और अकादमिक परिणामों में वृद्धि के बीच सकारात्मक संबंध का उल्लेख किया है, यह तर्क देते हुए कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले छात्र अकादमिक बाधाओं से बेहतर ढंग से निपट पाएंगे। सैनी और शर्मा (2019) ने भारतीय संदर्भ में दिखाया है कि कैसे एसईएल किशोरों को अधिक लचीला और अकादमिक रूप से सफल बनने में मदद करता है और सुझाव दिया है कि स्कूल के पाठ्यक्रम में एसईएल को शामिल करने से अकादमिक प्रदर्शन के दौरान तनाव और चिंता से राहत मिल सकती है। बॉवर्स एवं अन्य (2015) द्वारा किए (2004) यह कहने में और अधिक विष्वास दिलाते हैं कि एसईएल कार्यक्रम न केवल अकादमिक प्रदर्शन में मदद करते हैं बल्कि विद्यार्थियों को आजीवन सफलता के लिए महत्वपूर्ण जीवन कौशल से लैस करते हैं। इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए, एक अनुदैर्ध्य अध्ययन में, जोन्स एवं अन्य (2013) ने प्रमाणित किया कि जितनी जल्दी एसईएल कार्यक्रम लागू किए जाते हैं, लंबे समय में अकादमिक उद्देश्यों के लिए उतना ही बेहतर होता है। इसके अलावा, फरलोंग और क्रिस्टेंसन (2008) ने कहा कि एक पोषण करने वाला स्कूल वातावरण एसईएल के लिए एक सुविधाकर्ता के रूप में कार्य करता है, जो बदले में विद्यार्थियों की शैक्षणिक भागीदारी और अंततः उपलब्धि को प्रभावित करता है।

अंत में, टेलर एवं अन्य (2021) द्वारा किए गए एक अध्ययन ने इस आधार पर सबूत दिया कि उच्च एसईएल दक्षता रखने वाले विद्यार्थियों ने अधिक प्रेरणा बनाए रखी और बेहतर अकादमिक सफलता प्राप्त करने में सक्षम थे। संक्षेप में, ये अध्ययन एसईएल और अकादमिक उपलब्धि के बीच मौलिक रूप से मजबूत संबंध को प्रमाणित करते हैं, वास्तव में प्राथमिक शिक्षाविदों से ध्यान हटाने और एसईएल को सर्वांगीण छात्र विकास के लिए उच्च प्राथमिकता का दर्जा देने के लिए शैक्षिक प्रणालियों की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

## समस्या कथन

विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

### *अध्ययन के उद्देश्य*

1. विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) के प्रभाव का विश्लेषण करना।

### *शोध की परिकल्पनाएं*

**परि. 1** विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

**प्रदत्तों का संकलन, प्रयुक्त उपकरण एवं प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि**

इस शोध प्रयास में, शोधकर्ता ने सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम की प्रष्नावलियों से डेटा एकत्र किया। शैक्षणिक उपलब्धि एवं सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) के बारे में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) के प्रभाव से आने या न आने वाले परिवर्तनों को जानने हेतु स्वनिर्मित सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम प्रष्नावली का प्रयोग आकलन करने के लिए नियोजित किया गया था। अध्ययन में भोपाल विद्यालयों से 200 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। इस विविध नमूने ने विभिन्न पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व किया और शैक्षणिक प्रदर्शनों का एक वर्णक्रम प्रदर्शित किया। एकत्रित डेटा के बाद के विश्लेषण में टी-परीक्षणों का उपयोग किया गया, जिसके विस्तृत परिणाम निम्नलिखित तालिकाओं में दिए गए हैं।

**परि. 1 विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।**

**सारणी क्रमांक 1 विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (एसईएल) का प्रभाव संबंधी परिणाम**

| शैक्षणिक उपलब्धि | एसईएल का प्रभाव | संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | क्रांतिक अनुपात मान | सार्थकता स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी | उच्च | 100 | 68.75 | 13.51 | 0.31 | 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं |
| | निम्न | 100 | 68.2 | 11.62 | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अंग्रेजी | उच्च | 100 | 63.42 | 13.10 | 2.71 | 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर |
| | निम्न | 100 | 58.68 | 11.65 | | |
| गणित | उच्च | 100 | 68.47 | 12.63 | 0.36 | 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं |
| | निम्न | 100 | 69.1 | 11.81 | | |
| विज्ञान | उच्च | 100 | 65.74 | 13.03 | 0.88 | 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं |
| | निम्न | 100 | 67.41 | 13.66 | | |
| सामाजिक विज्ञान | उच्च | 100 | 63.18 | 14.38 | 1.34 | 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं |
| | निम्न | 100 | 60.43 | 14.58 | | |
| कुल उपलब्धि | उच्च | 100 | 328.81 | 41.36 | 0.97 | 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं |
| | निम्न | 100 | 323.81 | 30.72 | | |

स्वतंत्रता के अंश - 198 0.05 / 0.01 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 / 2.60

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (एसईएल) के प्रभाव से संबंधित परिणाम विभिन्न विषयों में दिलचस्प पैटर्न प्रस्तुत करते हैं। हिंदी में, उच्च एसईएल दक्षताओं वाले विद्यार्थियों के लिए औसत अंक 68.75 थे और कम एसईएल वाले विद्यार्थियों के लिए थोड़ा कम 68.20 थे, जो 0.31 के महत्वपूर्ण अनुपात को दर्शाता है, जो 0.05 के स्तर पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दर्शाता है। इसी तरह, गणित में, उच्च एसईएल के लिए अंक 68.47 और निम्न एसईएल के लिए 69.10 थे, जिसमें फिर से 0.36 का महत्वपूर्ण अनुपात था, जो कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दर्शाता है। इसके विपरीत, अंग्रेजी में, उच्च एसईएल वाले विद्यार्थियों ने 63.42 का औसत हासिल किया, जबकि कम एसईएल दक्षताओं के लिए 58.68 था समग्र शैक्षणिक उपलब्धि स्कोर में शामिल सभी विषयों के लिए क्रमशः उच्च और निम्न एसईएल दक्षता रखने वाले विद्यार्थियों के लिए 328.81 और 323.81 का औसत पाया गया, जिसमें 0.97 का महत्वपूर्ण अनुपात था।

अतः निष्कर्षतः कह सकते हैं कि सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा का विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर कुछ प्रभाव हो सकता है, अंग्रेजी ऐसा एकमात्र विषय प्रतीत होता है जहाँ एसईएल

के प्रभाव की संभावना स्पष्ट रूप से प्रकट हुई थी। यह समग्र निष्कर्षों को मजबूत करता है जो सभी विषयों में कोई अंतर नहीं दिखाते हैं। चूंकि अधिकांश क्षेत्रों में कोई महत्वपूर्ण परिणाम नहीं दिखे, इसलिए एसईएल का शायद प्रभाव हो सकता है, लेकिन अन्य कारक भी उनकी उपलब्धियों को निर्धारित कर सकते हैं। इस प्रकार भविष्य के अध्ययन इस बात पर विचार कर सकते हैं कि एसईएल शैक्षणिक उपलब्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए अन्य आकस्मिकताओं के

साथ कैसे बातचीत करता है क्योंकि इन संबंधों को समझने से शिक्षकों को उन प्रथाओं में मार्गदर्शन मिलेगा जो विद्यार्थियों के परिणामों को बढ़ा सकते हैं।

## निष्कर्ष

निष्कर्ष में, इस अध्ययन के निष्कर्ष यह स्थापित करते हैं कि विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में विविध प्रवृत्तियों को देखने के बाद, एसईएल और शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन बहुत जटिल निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। एसईएल का समग्र प्रभाव, फिर भी, अनिर्णायक है। अन्य विषयों से निकाले गए महत्वपूर्ण अनुपातों पर एसईएल में उच्च दक्षताओं को हिंदी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की तुलना में अंग्रेजी में प्रदर्शन में थोड़ा बेहतर सहसंबंधित पाया गया है। यह समग्र उपलब्धि स्कोर के साथ विश्लेषण करने पर सही साबित होता है, यह सुझाव देते हुए कि भले ही शैक्षणिक परिणामों में एसईएल से सकारात्मक योगदान प्राप्त हो सकता है, लेकिन यह सभी विषयों में अपरिवर्तनीय प्रभाव नहीं रखता है। इस खोज के मनोवैज्ञानिक निहितार्थ भावनात्मक-सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए शैक्षिक ढांचे में एसईएल के आक्रमण पर सवाल उठाते हैं जो अकादमिक सफलता प्राप्त करने में अप्रत्यक्ष रूप से कार्य कर सकते हैं। हालाँकि, विषयों पर मान्य महत्वपूर्ण अंतरों की कमी यह संकेत देती है कि यह प्रदर्शन शैक्षणिक उपलब्धि के अन्य मापदंडों के अलावा विशेष रूप से एसईएल के कारण है। भविष्य की जाँच अन्य चर के माध्यम से एसईएल और विकास के बीच मजबूत संबंधों के साथ-साथ एसईएल के माध्यम से सीखने को बढ़ाने के संभावित तंत्रों पर निर्देशित की जा सकती है ताकि शिक्षा में एसईएल की अधिक पूर्ण तस्वीर बनाई जा सके।

## संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1] डर्लक, जे. ए., वीसबर्ग, आर. पी., डिम्निकी, ए. बी., टेलर, आर. डी., और शेलिंगर, के. बी. (2011) छात्रों की सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा को बढ़ाने का प्रभावरू स्कूल-आधारित सार्वभौमिक हस्तक्षेपों का मेटा-विश्लेषण। बाल विकास, 82(1), 405-432।

[2] ज़िंस, जे. ई., ब्लडवर्थ, एम. आर., वीसबर्ग, आर. पी., और वालबर्ग, एच. जे. (2004) सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा को स्कूल की सफलता से जोड़ने वाला वैज्ञानिक आधार। शिक्षा मनोवैज्ञानिक, 39(4), 246-259।

[3] शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के लिए सहयोगात्मक (2020) सामाजिक और भावनात्मक शिक्षाः मुख्य योग्यताएँ।

[4] एलियास, एम. जे., और अर्नोल्ड, एच. (2006) शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा का प्रभाव। जे. ई. ज़िंस, आर. पी. वीसबर्ग, एम. जे. वांग, और एच. जे. वालबर्ग (संपादकों) में, सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा पर शैक्षणिक सफलता का निर्माणरू शोध क्या कहता है? (पृष्ठ 12-30)। टीचर्स कॉलेज प्रेस।

[5] गोलमैन, डी. (1995) भावनात्मक बुद्धिमत्ताः यह आईक्यू से अधिक क्यों मायने रख सकती है। बैंटम बुक्स।

[6] पेटन, जे. डब्ल्यू., वार्डलॉ, डी. एम., ग्रेज़िक, पी. ए., ब्लडवर्थ, एम. आर., टॉम्पसेट, सी. जे.,

और वीसबर्ग, आर. पी. (2000) सामाजिक और भावनात्मक शिक्षारू बच्चों और युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और जोखिम व्यवहार को कम करने के लिए एक रूपरेखा। जर्नल ऑफ स्कूल हेल्थ, 70(5), 179-185।

[7] जोन्स, एस. एम., और बौफर्ड, एस. एम. (2012) स्कूलों में सामाजिक और भावनात्मक शिक्षारू कार्यक्रमों से लेकर रणनीतियों तक। सामाजिक नीति रिपोर्ट, 26(4), 1-33।

[8] वीसबर्ग, आर. पी., और कैस्कारिनो, जे. (2013) शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक शिक्षाः छात्र विकास के तीन आयाम। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमन डेवलपमेंट, 2(3), 1-7।

[9] चेर्निस, सी. (2000) भावनात्मक बुद्धिमत्ताः यह क्या है और यह क्यों मायने रखती है। कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ताः अपने नेतृत्व कौशल को बेहतर बनाने, तनाव को प्रबंधित करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग कैसे करें।

[10] रेवर, सी. सी., और जिगलर, ई. (1997) सामाजिक और भावनात्मक शिक्षारू प्रीस्कूल शैक्षणिक शिक्षा के लिए एक आधार। सामाजिक नीति रिपोर्ट, 11(3), 1-19।

[11] ब्रैकेट, एम. ए., और कटुलक, एन. जे. (2006) कक्षा में भावना विनियमनरू भावनात्मक बुद्धिमत्ता कार्यक्रम की भूमिका। शैक्षिक मनोवैज्ञानिक, 41(3), 142-157।

[12] सेलिगमैन, एम. ई. पी., अन्स्र्ट, आर. एम., गिलहम, जे., रीविच, के., और लिंकिन्स, एम. (2009) सकारात्मक शिक्षाः सकारात्मक मनोविज्ञान और कक्षा हस्तक्षेप। ऑक्सफोर्ड रिव्यू ऑफ एजुकेशन, 35(3), 293-311।

[13] जोन्स, एस.एम., और काहन, जे. (2017) स्कूलों में सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के लिए साक्ष्य आधार। बच्चों का भविष्य, 27(1), 29-40।

[14] एशडाउन, डी.जे., और बर्नार्ड, एम.ई. (2012) सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा कार्यक्रम 'यू कैन डू इट!' का छात्र व्यवहार और शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव। शैक्षिक मनोविज्ञान, 32(3), 303-324।

[15] मैककाउन, सी., और वेनस्टीन, आर.एस. (2008) सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा और बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शनः एसईएल और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों पर दृष्टिकोण। शैक्षिक मनोवैज्ञानिक, 43(2), 85-92।

[16] शंक, डी. एच., और ज़िमरमैन, बी. जे. (2012) प्रेरणा और स्व-विनियमित शिक्षारू सिद्धांत, शोध और अनुप्रयोग। रूटलेज।

[17] बेनिंगा, जे. एस., बर्क, एम., और क्रैथवोहल, डी. आर. (2003) छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा की भूमिका। शैक्षिक मनोवैज्ञानिक, 38(2), 117-130।

[18] डर्लक, जे. ए., और वीसबर्ग, आर. पी. (2010) छोटे बच्चों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक-भावनात्मक शिक्षण कार्यक्रमरू एक मेटा-विश्लेषण। बाल विकास, 81(2), 486-508।

[19] मैककॉय, के., और थेके, एल. ए. (2018) प्रारंभिक शिक्षा में सामाजिक-भावनात्मक शिक्षण का महत्वरू साहित्य की समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंस्ट्रक्शन, 11(1), 181-196।

[20] लेमरिस, ई. ए., और आर्सेनियो, डब्ल्यू. एफ. (2000) भावनात्मक और सामाजिक विकास का एक एकीकृत मॉडलरू सामाजिक सूचना प्रसंस्करण में भावना की भूमिका। बाल विकास, 71(1), 1-10।